अनमोल धागा

राखी जैसा त्यौहार नहीं
बहन भाई सा प्यार नहीं,
निच्छल प्रेम निभाने का
रिश्ता इससे बड़ा नहीं

भाई है विश्वास बहन का
इस रिश्ते का कोई मोल नहीं,
बिन कहे सुख दुख जान ले
वो भाई होता,कोई और नहीं,

धागा प्रेम की राखी का
प्यार बांधकर रखता है,
ढाल बनकर सुख दुख में
बहन का दुख सह लेता है

साल के बारह महीनों में
एक दिन राखी का होता है,
बचपन याद करने के लिए
एक मौका जरूर मिलता है।

भाई बहन के रिश्ते को
राखी का पर्व सींचता है,
सावन ऋतू में वर्षा जैसा
उल्लास घर में बरसता है।

ससुराल में हर ताना सुनकर
ना बहन कभी कुछ कहती है,
भाई के लिए कुछ कह देने पर
तिलमिला कर लड़ पड़ती है।

एक खान के पत्थर का भवन
सुंदर कठोर सा दिखता है,
भाई बहन का रिश्ता धरती पर
सौभाग्यशाली को मिलता है।

रक्षाबंधन पर हार्दिक बधाई

जस्टिस
गोपाल कृष्ण व्यास
अध्यक्ष–
मानवाधिकार आयोग
राजस्थान, जयपुर